श्री दिगम्बर जैन महासमिति पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

1008 देवाधिदेव भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक की हार्दिक शुभकामनाएं

14 अप्रैल 2022

जीओ और जीने दो
के सिद्धांत को अपनाएं
शाकाहारी तथा अहिंसात्मक जीवन शैली
को प्रोत्साहन दें।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	(अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

धरणेन्द्र कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
70, कैलाश हिल्स, नई दिल्ली–110065
मो. 8826578600, 9999495706

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of	:	Shree Digamber Jain Mahasamiti
Account No	:	10170001973962
Branch	:	Bandhan Bank, East Patel Nagar, Delhi-110008
IFSC Code	:	BDBL0001498

वर्ष 5 - अंक 2 अप्रैल 2022

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

राष्ट्रीय संयोजक
डॉ. रिचा जैन
मो. 9822221951

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

राष्ट्रीय महिला महामंत्री
संगीता कासलीवाल

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 8826578600, 9999495706
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
1. डॉ. ममता जैन, पूना, मो. 8668734864
2. निर्मल जैन पाण्डया, अजमेर, मो. 8619531143

संपादक (विदेश)
कुँवर पाल शाह U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुख्य कार्यालय
Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

मुद्रक : रचना सिंडिकेट
बी. एस. सागवान
मो. 8178438390
दिल्ली-110093

विषय सूची

1. सम्पादकीय ... 2
2. सुश्री मीनाक्षी जैन का स्वागत ... 3
3. लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ... 4
4. निवास पर आयोजित सभा ... 5
5. नित जीवन के संघर्षो से 7
6. महिला महासमीति की ओर से स्वागत ... 8
7. जुलूस का किया भव्य स्वागत .. 9
8. लाडो के विवाह में सहयोग 10
9. महासमिति जबलपुर संभाग 11
10. शपथ विधि इन्दौर पश्चिमी संभाग ... 12
11. मुनि सुरक्षा का संदेश ... 13
12. भगवान महावीर जन्म कल्याणक 14
13. Profit & Loss Account 15
14. Balance Sheet 16

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

भगवान महावीर के सिद्धान्तों में वैज्ञानिकता

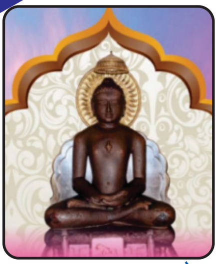

आज हमारे जीवन में नैतिक मूल्यों का निरन्तर ह्रास और विघटन होता जा रहा है। भौतिक ऐश्वर्य की चकाचौंध में आज का मानव समत्व को नहीं देख पा रहा है। जातीय भेदभाव, ऊँच–नीच तथा साम्प्रदायिकता की विषाक्त भावना के कारण मानव के रक्त का प्यासा हो रहा है। समाज में धर्म,भाषा तथा प्रान्त के नाम पर चारों ओर हिंसा और आतंकवाद का लोमहर्षण ताण्डव–नृत्य हो रहा है। जो धर्म परस्पर **जोड़ने का प्रमुख सूत्र** था वहीं हमें तोड़ने का मूल कारण बन रहा है हम 'सर्वे भवन्ति सुखिनः' के दिव्य आदर्शवादी भारतीय संस्कृति के उपदेष्टा, प्राणीमात्र के उदय की उद्घोषणा करने वाले सर्वोदय के मंत्र दाता भगवान महावीर के जीवन दर्शन को भूल गये हैं। भगवान महावीर के वचन व्यावहारिक जीवन की कसौटी पर कसे हुए शाश्वत सत्य हैं, जिनमें वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिकता का अपूर्व सम्मिश्रण हैं। उनका जीवन दर्शन किसी युग विशेष अथवा वर्ग विशेष के लिए नहीं है वरन् प्राणीमात्र के लिए है।

भगवान महावीर ने हजारों वर्ष पूर्व जिस निःशस्त्रीकरण की बात कहीं, उसके लिए आज सारा विश्व सजग हो गया है। आज इस बात की आवश्यकता महसूस की जा रही है कि प्रत्येक राष्ट्र अपने अतिरिक्त शास्त्र भंडारो को नष्ट करदे अन्यथा फिर किसी नए हिटलर, ट्रारुमेन या लादेन का दिमाग खराब हो गया अथवा अन्य कोई राजनैतिक हलचल हुई तो तीसरे विश्व युद्ध को प्रारम्भ होने में कोई देर नहीं लगेगी।

आहार नियन्त्रण वैज्ञानिक दृष्टि से एक महान औषधि है। चिकित्सा प्रणाली से भी उपवास के अनेक लाभ बतलायें गये हैं। सांयकालीन भोजन के बाद सोने के पहिले काफी समय मिलना चाहिये तथा यथासंभव रात्रि भोजन त्याग को वैज्ञानिकों ने भी सही माना है। आहार विवेक के साथ भाषा विवेक जैसे कई विवाद अपने आप टल जाते हैं। यह भी एक वैज्ञानिक सत्य है। इसके कारण मन प्रसन्न रहता है। संकल्प शक्ति का विकास होकर स्वास्थय में सुधार होता है।

भगवान महावीर जीवन और जीवन मार्ग की वैज्ञानिक व्याख्या करते हुए कहते हैं जो मार्ग पर चलेगा उसे मार्गफल अवश्य मिलेगा। केवल मार्ग पर बैठे रहने से मार्गफल की प्राप्ति कदापि नहीं हो सकती।

यह सच है कि आज के युग में यदि विज्ञान हमें निर्माण के बदले विनाश की ओर ले जाता है तो लोगों का उससे लगाव खत्म हो जाएगा इसलिये विज्ञान में से हिंसा और प्रति हिंसा दूर करनी होगी तभी सब सन्तुलित रह सकेंगे। आज भगवान महावीर की

अहिंसा एक नये मोड़ पर खड़ी है और संकेत करके कह रही है कि विज्ञान और आध्यात्म को जोड़ो।

ऐसे अशान्त, क्लान्त और दिगभ्रमित समाज को भगवान महावीर का जीवन–दर्शन रुपी आलोक ही सही दिशानिर्देश दे सकता है। भगवान महावीर के वचन व्यावहारिक जीवन की कसौटी पर कसे हुए शाश्वत सत्य हैं, जिनमें वैज्ञानिकता एवं आध्यात्मिकता का अपूर्व सम्मिश्रण है। किसी भी जाति, धर्म अथवा सम्प्रदाय का व्यक्ति उनके बताये हुए मार्ग पर चलकर आत्म–शुद्धि तथा आत्मोन्नति के शिखर पर आरुढ़ हो सकता है। उनका जीवन दर्शन किसी युग विशेष अथवा वर्ग विशेष के लिए नहीं है वरन् प्राणीमात्र के लिए है। वह सार्वकालिक, सार्वदेशिक और सार्वभौमिक है।

यदि हमें मानव–मानव के बीच की खाई को पाटकर समता, ममता और एकता की त्रिवैणी को प्रवाहित करना है यदि विश्व–नागरिकता, विश्व–बन्धुत्व और बसुधैव–कुटुम्बकम की उदान्त भावना को मानव मात्र के ह्रदय में उद्वेलित करना है तो हमें भगवान महावीर के सदुपदेशों तथा आदर्शो को जग–जीवन में प्रतिष्ठित करना ही होगा। तभी विश्व मैत्री और विश्वशान्ति सच्चे अर्थों में स्थापित हो सकती है' और तभी हमारा महावीर जयन्ती का मनाना सार्थक हो सकता है।

- धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

महासमिति के पदाधिकारीगण जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुश्री मीनाक्षी जैन का स्वागत करते हुए

ज्ञानोदय तीर्थ नारोली में आज दिगम्बर जैन समाज की प्रथम महिला जिला एवं सत्र न्यायाधीश जो बीकानेर में नियुक्त हैं सुश्री मीनाक्षी जी जैन अपने पूज्य माता पिता के साथ आई एस अवसर पर ज्ञानोदय तीर्थक्षेत्र नारेली प्रभारी ब्रह्मचारी भईया श्री सुकान्त जैन के सानिध्य में श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमती मधु पाटनी एवं श्री दिगम्बर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी द्वारा माल्र्यापण कर एवं शाल ओढाकर सम्मान करते हुए

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए - श्रमशील व्यक्तियों का सहयोग लेना चाहिए

ऊँची सोच के साथ बड़े लक्ष्य को कामयाब करना पुरुषार्थ है। लक्ष्य व्यक्ति के अपने जीवन का हो सकता है, समाज के सम्बंध में हो सकता है, देश–दुनिया के बारे में हो सकता है। संस्था और संगठन के विषय का हो सकता है।

चिन्तन की कसौटी पर जाँच–परख करने के बाद जो बिन्दु निर्धारित कर लिए जाते हैं, वे लक्ष्य की श्रेणी में आ जाते हैं। लक्ष्य की लक्षमण रेखा खींच जाने के बाद कदमों को पीछे खींचना ठीक नहीं होता। यहाँ से तो सही मायने में कर्म की यात्रा प्रारम्भ होती है।

एक बार कई बीमारियाँ मिल जुल कर एक पहाड़ के पास पहुंची और बोली, दुनिया में सभी हमें ठुकराते हैं। गले लगाने की बात तो दूर, हमें कोई दो–चार दिन चैन से टिकने भी नहीं देता। सुना कि पहाड़ अटल होता है, इसलिए काफी आशा लेकर आपकी शरण में आई हैं।आप हमें आसरा दे दें पहाड़ ने 'एवमस्तू कहा और सभी को अपने अन्दर आश्रय दे दिया।

उस पहाड़ के सामने ही किसानों की एक बस्ती थी। एक दिन उन्होंने सोचा, क्यों न इस पहाड़ को समतल करके कृषि योग्य भूमि तैयार करली जाए। दूसरे ही दिन से पहाड़ को तोड़ने का कार्य प्रारम्भ हो गया। पहाड़ चिन्तित था, मेरा तो अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। उसने अपने भीतर आश्रय लेने वाली बीमारियों को जगाया और उनसे कहा, तुम सभी कुछ दिनों के लिए मेरा आश्रय छोड़कर बस्ती के किसानों के पास जाओ। किसान बीमार पड़ जायेंगे और मुझे काटने का काम बन्द कर देंगे, अन्यथा मैं तो समाप्त हो ही जाऊँगा, तुम्हारा ठिकाना भी खत्म हो जाएगा। बीमारियों ने रातों रात अपना ताम झाम समेटा और विश्राम कर रहे किसानों के शरीर से चिपट गई। हफ्ता–दो हफ्ता बीता परन्तु पर्वत के कटने का क्रम निरन्तर जारी रहा।

अचानक एक रात अपना मायूस–सा चेहरा लेकर सभी बीमारियां पर्वत के पास लौट आई और बताने लगी, हम बस्ती में गई थीं। हम किसानों के शरीर से चिपट भी गई थीं, लेकिन किसानों ने अत्यन्त नियमित टाइम–टेबल बना रखा है। पहाड़ काटने के समय वे बीमारी की हालत में भी आ जाते हैं और सब कुछ भूलकर कटाई में लग जाते हैं। दिन भर के कठिन श्रम से उन्हें जो पसीना निकलता है, उसी के साथ हम बीमारियाँ भी उनके शरीर से बाहर आ जाती हैं।

धुन का धनी और श्रम का पुजारी कभी थकता नहीं। कोई भी काम जब हमारे हाथ में आता है तो उसे पूरा करने के लिए शर्त होती है उत्साह। अगर मन में उत्साह नहीं है और आपने यह सोचा कि काम को जैसे–तैसे करना है–तो काम करने का असली मजा नहीं आयेगा। दूसरी शर्त है–विश्वास। मन में निश्चय होना चाहिए कि हम काम को कर सकेंगे, सही रूप में करेंगे और सफल होंगे। मन में यह प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि हम निष्ठा के साथ करेंगे।

इक्कीसवीं शताब्दी को हम मैनेजमैन्ट का युग भी कह सकते हैं। आजकल किसी भी काम को हाथ में लेने से पहले उसका सांगोपांग समीक्षा की जाती है। काम कितना करना है, और किन हितों के लिए करना है, यह तय किया जाता है। सम्पूर्ण प्रक्रिया लक्ष्य पर केन्द्रित होकर पूरी करनी होती है। अपना लक्ष्य थोड़ा ऊँचा बनाना चाहिए। किसी व्यक्ति ने एक छोटे से बच्चे से पूछा कि यदि तुम्हें देश का प्रधानमंत्री बना दिया जाये तो तुम क्या करोगे ? बच्चे ने कहा कि सबसे पहिले लालकिले पर चढ़कर पतंग उड़ाऊंगा। सोच छोटी है तो लक्ष्य भी छोटा होता है।

लक्ष्य निर्धारण में हमेशा चिन्तनशील व्यक्तियों का परामर्श लेना चाहिए और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमेशा श्रमशील व्यक्तियों का सहयोग लेना चाहिए। फिर आपने जितनी कार्य–योजना सोची है, तैयार की है वह पूरी होगी और अवश्य सफलता मिलेगी।

- डॉ मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष की गौरवमई उपस्थिति में श्रीमती मंजू अजमेरा राष्ट्रीय कार्याध्यक्षा इन्दौर के निवास पर आयोजित सभा में इन्दौर संभाग के पदाधिकारीगण

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति रायपुर में ट्रक ड्राइवरों को दिया मुनि सुरक्षा का सन्देश के कार्यक्रम की झलकियाँ

नित जीवन के संघर्षों से.......

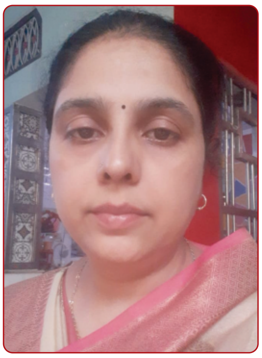

नित जीवन के संघर्षों से
जब टूट चुका हो अन्तर्मन,

तब सुख के मिले समन्दर का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ।।

जब फसल सूख कर जल के बिन
तिनका-तिनका बन गिर जाये,

फिर होने वाली वर्षा का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ।।

सम्बन्ध कोई भी हों लेकिन
यदि दुःख में साथ न दें अपना,

फिर सुख में उन सम्बन्धों का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ।।

छोटी-छोटी खुशियों के क्षण
निकले जाते हैं रोज़ जहां,

फिर सुख की नित्य प्रतीक्षा का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ।।

मन कटुवाणी से आहत हो
भीतर तक छलनी हो जाये,

फिर बाद कहे प्रिय वचनों का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ।।

सुख-साधन चाहे जितने हों
पर काया रोगों का घर हो,

फिर उन अगनित सुविधाओं का
रह जाता कोई अर्थ नहीं ।।

– श्रीमती ज्योति जैन, एटा

लोकसभा स्पीकर माननीय ओम बिडलाजी की धर्मपत्नी डॉं अमिता बिडला का महिला महासमीति की ओर से स्वागत व शाल ओढाकर सम्मान किया गया।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति द्वारा संचालित विधा सुधा संस्कार पाठशाला का **15** दिवसीय शिवीर का समापन भव्यता पूर्वक हुआ, मुनि पुगंव श्री 108 सुधा सागर जी महाराज का आशीर्वाद और आशीर्वचन सभी शिवीर के बच्चों को लाखा भवन मे मिला साथ ही बच्चों की जिज्ञासा का समाधान भी किया गया। ऐलक श्री धैर्य सागर महाराज के सामने सभी शिविर के बच्चों को पुरस्कार वितरण लाडँगंज जैन मंदिर में किया गया साथ ही क्षुल्लक गंभीर सागर जी महाराज का भी बच्चों को आशीर्वाद मिला। साथ ही शिविर के मार्गदर्शन विद्वान अमित जी शास्त्री जी का और शिविर मे बच्चों को धार्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले विद्वान सौरभ जी का सम्मान महिला महासमिति कि बहनो द्वारा किया गया।

- प्रीतिपाली
अध्यक्ष जबलपुर संभाग

श्री दिगंबर जैन महासमिति एवं महिला महासमिति ने जुलूस का किया भव्य स्वागत

श्री दिगम्बर जैन महासमिति व श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति एवं युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा महावीर जयंती पर्व के मंगलमय अवसर पर निकले जुलूस का समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी के व्यापार स्थल धानमंडी दरगाह बाजार पर भव्य स्वागत किया गया महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि इस अवसर पर समिति की ओर से सभी जैन धर्मावलंबियों के लिए जल पान की समुचित व्यवस्था रही जिसमें आइसक्रीम, फल फ्रूट्स, ठंडे पानी की सेवा के अलावा इलायची सुपारी का वितरण करते हुए जुलूस की आवभगत की गई साथ ही श्रीजी की आरती की गई एवं श्रीफल चढ़ाया गया इस अवसर पर महिला महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी, मंत्री सोनिका भैंसा, सुषमा पाटनी, अर्चना गंगवाल, रोशनी सोगानी, सपना पाटनी, अलका सोनी, निधि जैन, रुपल गोधा, अंशुमा जैन, अनिल पाटनी, प्रवीण पाटोदी, सुभाष बड़जात्या सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

जरुरतमंद विधवा महिला की लाडो के विवाह में सहयोग

समिति द्वारा अब तक 89वीं बालिका के विवाह में सहयोग। श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवम श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति अजमेर के तत्वावधान में नव पदस्थापित एडीएम सिटी श्रीमती भावना जी गर्ग के कर कमलों द्वारा समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के निवास स्थान गणपति विहार कॉलोनी रामभवन के पास से धोला भाटा निवासी श्रीमती मीना देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय कमलेश की पुत्री एकता जिसका विवाह आगामी दिनों में होने जा रहा है को विवाह एवं विवाह उपरांत गृहस्थ जीवन में कार्य में आने वाली सभी प्रकार की सामग्री देकर सहयोग किया गया इससे पूर्व श्रीमती भावना गर्ग के एडीएम सिटी के प्रतिष्ठित पद पर आसीन होने एवं आज उनके जन्मदिवस के उपलक्ष में श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति अजमेर द्वारा सकल जैन समाज की ओर से स्वागत करते हुए सम्मान किया गया। महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि इस परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने के कारण विधवा महिला ने अध्यक्ष अतुल पाटनी से सहयोग की अपील की जिसे विवाह के कार्य में आने वाली सभी प्रकार की सामग्री जिसमें दुल्हन के दो बेस, इक्कीस साड़ियां, सलवार सूट, शाल, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, रसोई में सभी प्रकार के स्टील बर्तन, सैलो के सभी प्रकार के आइटम, परिवारजन के वस्त्र, ओवन, कूकर, प्रेस, गैस चूल्हा, चौकी, बाल्टी मग, कोठी, घड़ा, आकर्षक जूते की जोड़ियां, मोजे सी सी चार कुर्सियां, नगद राशि आदि कई प्रकार के सामग्री देकर सहयोग किया गया। मंत्री सोनिका भैंसा ने बताया कि अब तक 89 विधवा महिलाओं की बालिकाओं को इस प्रकार का सहयोग दिया जा चुका है। अध्यक्ष अतुल पाटनी ने सेवा सहयोगी समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु अतुल पाटनी, समाजसेवी श्रीमती कमलेश राकेश पालीवाल, श्रीमती आशा गादिया, श्रीमती सुनीता बड़जात्या, श्रीमती सुधा सोगानी आदि ने सहयोग प्रदान किया। प्रवक्ता संजय कुमार ने बताया कि इस अवसर पर समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमती मधु अतुल पाटनी, मंत्री श्रीमती सोनिका भैंसा, श्रीमती आशा गदिया, महामंत्री कमल गंगवाल समिति, कोषाध्यक्ष श्रीयांस पाटनी, प्रवक्ता संजय कुमार जैन लायंस क्लब अजमेर आस्था के अध्यक्ष लायन निलेश अग्रवाल, सर्वोदय कॉलोनी इकाई की मंत्री श्रीमती रेणु पाटनी, श्रीमती सुषमा पाटनी आदि मौजूद रहीं।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति जबलपुर संभाग द्वारा विधा सुधा संस्कार पाठशाला का 15 दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर लगाया गया। युवा विद्वान अमित जी शास्त्री के मार्गदर्शन में और सौरभ जी शास्त्री द्वारा बच्चों को धार्मिक शिक्षा प्रदान की गई। साथ ही रविवार को द्रव्य पूजन भी सिखाई जाती थी।

अध्यक्षता प्रीतिपाली द्वारा की गई। कार्यक्रम के समापन में बच्चों को पुरस्कार वितरण और विद्वानों का सम्मान समिति की प्रीतिपाली, नीलमणी नायक, शमिला, जयाकौशल, रेखा चौधरी अनुपमा, स्वीटी, मनीषा बडकुल, रिचा जैन, रचना, सभी बहनों का सहयोग मिलाः

- प्रीतिपाली, अध्यक्ष जबलपुर संभाग

कु. वृष्टि जैन उम्र **24** वर्ष जयपुर की बालिका का मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा में सिविल जज के पद पर चयन हुआ। इस बालिका का सम्मान किया गया।

जयपुर के सभी संभागों के प्रमुख पदाधिकारी 70 महिलाऐं इस बैठक में उपस्थित रहीं।

तत्पश्चात सभी महिलाओं का भोजन वहीं हुआ जिसका पुण्य श्रीमती अर्पिता जी पाटनी मानसरोवर ने लिया।

- डॉ. वेदना जैन, प्रमुख परामर्शक (राज. महिला अंचल)

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के शपथ विधि इन्दौर पश्चिमी संभाग समारोह के कार्यक्रम की झलकियां

"महिलाएं वक्त के साथ समाज और राष्ट्र के निर्माण का एक अहम हिस्सा बन चुकी हैं। महिलाओं की इसी उपलब्धि एवं उनके सम्मान हेतु **"श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति इंदौर"** पश्चिमी संभाग के द्वारा 8 मार्च 2022 को अंगारा एवेन्यू में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस नवीन कार्यकारिणी की शपथ विधि के साथ मनाया गया।"

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं शपथ विधि अधिकारी के रुप में उपस्थित रहीं श्रीमती मंजू विमल जी अजमेरा (श्री दिगंबर जैन महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्षा) विशेष अतिथि के रुप में डॉ रीता जी जैन (चोइथराम कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज इंदौर की प्राचार्या), श्रीमती अंचल जी जैन (द मरेकल क्वीन), श्रीमती मणि जी अजमेरा (समाज सेविका) एवं वरिष्ठ पदाधिकारी के रुप में श्रीमती विजया जी पहाड़िया (मध्यांचल एवं महासमिति की पूर्व अध्यक्षा एवं मध्यांचल की कोषाध्यक्षा), श्रीमती चंद्रप्रभा जी बड़जात्या (पूर्व अध्यक्षा) तथा श्रीमती पुष्पा जी कटारिया (निवर्तमान अध्यक्षा) व विशिष्ट सहयोगी श्रीमती अनिता जी बड़जात्या (निवर्तमान सचिव) के रुप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में मंगलाचरण श्रीमती रश्मि देवेंद्र जी जैन एवं श्रीमती सुविधि महक जी गोधा के द्वारा एवं स्वागत नृत्य बेबी काव्या "छोटी महापौर" (सुपुत्री– प्रवीण– ज्योती जैन) कथक नृत्यांगना वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर की प्रस्तुत किया गया।

नवीन अध्यक्ष के रुप में श्रीमती ज्योति सुभाष जी गोधा, सचिव पद के लिए– अंजलि पंकज जैन मोदी व कोषाध्यक्ष पद के लिए– श्रीमती साधना जी गांधी एवं समस्त पदाधिकारी तथा कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ग्रहण की। विशेष सहयोगी– श्रीमती प्रभा गंगवाल एवं श्रीमती चंचल जी अजमेरा का रहा

कार्यक्रम की संयोजक इकाई– क्लर्क कालोनी इकाई, कालौनी नगर एवं किसनपुरा इकाई तथा समस्त इकाइयों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम के दौरान होली से संबंधित मीठे पकवान एवं नारी सम्मान की महत्वता को बताने वाली कविता, पंचल्युटी, एवं रंगारंग तंबोला एवं फाग उत्सव संबंधित नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। सभी विजेताओं को बधाइयां।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी पधारें सम्मानीय पदाधिकारी गण, अतिथि गण एवं सदस्यगण को बहुत–बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं।

– श्रीमती ज्योति सुभाष जी गोधा, अध्यक्ष
अंजलि पंकज जैन मोदी, सचिव

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला शाखा रायपुर में ट्रक ड्राइवरों को दिया मुनि सुरक्षा का संदेश

दिनांक 10.04.2022 दिन रविवार को श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला शाखा रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा मुनि सुरक्षा जागरुकता अभियान के अंतर्गत रायपुर से 10 किलोमीटर दूर कुम्हारी टोल प्लाजा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें महिला समिति द्वारा ट्रक ड्राइवरों को फाइल एवं मिठाई वितरित किया गया एवं स्लोगन के माध्यम से मुनि रक्षा हेतु निवेदन किया गया कि वे जब राष्ट्रीय राजमार्ग पर अपनी गाड़ियों को परिचालन करें उस समय जब आपको कोई जैन मुनि मार्ग पर दिखे तो आप अपने वाहन को साधुओं की सुरक्षा करते हुए चलाएं। आज के इस कार्यक्रम में ट्रकों के ऊपर साधु सुरक्षा के स्लोगन बनाकर पेस्ट किए गए।

इस कार्यक्रम में भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के अध्यक्ष महेंद्र कोचर जी, विजय चोपड़ा जी, मनोज कोठरी जी, विजय चोपड़ा जी, एवं उनकी टीम ने हिस्सा लिया और कार्यक्रम की सराहना की गई। इस कार्यक्रम मैं मालवीय रोड़ दिगंबर जैन मंदिर के ट्रस्टी नरेंद्र जैन गुरु कृपा सचिव राजेश रज्जन जैन कोषाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई कार्यक्रम का आयोजन महिला महासमिति की अध्यक्ष श्रीमती जया यशवंत जैन, उपाध्यक्ष मंजू सुरेश मोदी, मेघना शैलेंद्र जैन, सचिव संध्या अजीत जैन, कोषाध्यक्ष दीप्ति संजय जैन सतना एवं इसके अलावा समिति के अन्य सदस्यों ने हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस आयोजन में समिति के अन्य सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला शाखा रायपुर छत्तीसगढ़ की सचिव श्रीमती संध्या अजीत जैन ने आभार प्रकट किया।

<u>**भगवान महावीर जन्म कल्याणक की समस्त देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।**</u>

राजधानी दिल्ली में श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणींद्र जैन ने सभी देश वासियों को भगवान महावीर जन्म कल्याणक की हार्दिक शुभकामनाए दी और कहा **हिंसा पीड़ित विश्व राह महावीर की तकता है, <u>वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है</u>** भगवान महावीर के बताए सत्य अहिंसा एवं अपरिग्रह के मार्ग को जीवन में आत्मसात कर समाज, धर्म, और देश की सेवा करने में सक्षम बनने की अभिलाषा के साथ सभी देश वासियों को तहे दिल से भगवान महावीर जयंती और वैशाखी पर्व की लख लख बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं सहित श्रद्धेय बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर याद किया ।

<u>**श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला सम्भाग मंदसौर (म.प्र.) के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं**</u>

SHREE DIGAMBER JAIN MAHASAMITI
70, KAILASH HILLS,SECOND FLOOR
NEW DELHI-110065
Profit & Loss A/c
1-Jan-2020 to 31-Mar-2022

Particulars	1-Jan-2020 to 31-Mar-2022		Particulars	1-Jan-2020 to 31-Mar-2022	
Indirect Expenses		**2291498.84**	**Indirect Incomes**		**2153610.82**
TV Chenal Expenses	61200.00		*Aamne Samne Collection*	42633.00	
Office & Printing Exp	265175.00		*Chintamani Poor Collection x Account*	57014.00	
Bank Charges	607.84		*Chitamani Poor Help Collection Account*	1212300.00	
Food Exp	27000.00		*Group Insurance Recipt*	1.98	
Charan Sparsh Programme	165900.00		*Registration Fee Super30*	12002.00	
Chitnamani Poor Help Exp Account	577262.00		*Subscription & Membership*	456659.84	
Cultural Acivities / Saminar Exp	25574.00		*Super 30 Donations*	373000.00	
Donation	135850.00		**Nett Loss**		**137888.02**
Kshamapan and Vishwa Maitri Diwas Exp.	100000.00				
Postage & Courier	13230.00				
Prize Distribution	21000.00				
Professional Charges	77000.00				
Programme Exp	75000.00				
Programme Exp Shikar Ji	27700.00				
Staff Salary	318500.00				
Travelling Exp	7500.00				
Tution Fee- Super 30	393000.00				
Total		**2291498.84**	**Total**		**2291498.84**

(Dr. Manindra jain)
President

(Praveen Kumar Jain)
Gen. Secretary

(Dharnendra Kumar Jain)
Treasurer

SOGANI CONSULTANTS Tax Consultancy New Delhi

SHREE DIGAMBER JAIN MAHASAMITI

70, KAILASH HILLS
SECOND FLOOR
NEW DELHI

Balance Sheet

1-Jan-2020 to 31-Mar-2022

Liabilities	as at 31-Mar-2022		Assets	as at 31-Mar-2022	
Loans (Liability)			**Capital Account**		999542.02
Current Liabilities		1096000.00	*Capital Reserve*	999542.02	
Sundry Creditors	6000.00		**Current Assets**		96457.98
President Loan Mr M K Jain	1090000.00		Cash-in-hand	5239.00	
			Bank Accounts	91218.98	
			Profit & Loss A/c		
			Opening Balance		
			Current Period	137888.02	
			Less: Transferred	-137888.02	
Total		1096000.00	**Total**		1096000.00

(Dr. Manindra jain)
President

(Praveen Kumar Jain)
Gen. Secretary

(Dharnendra Kumar Jain)
Treasurer

SOGANI CONSULTANTS * New Delhi * Tax Consultancy

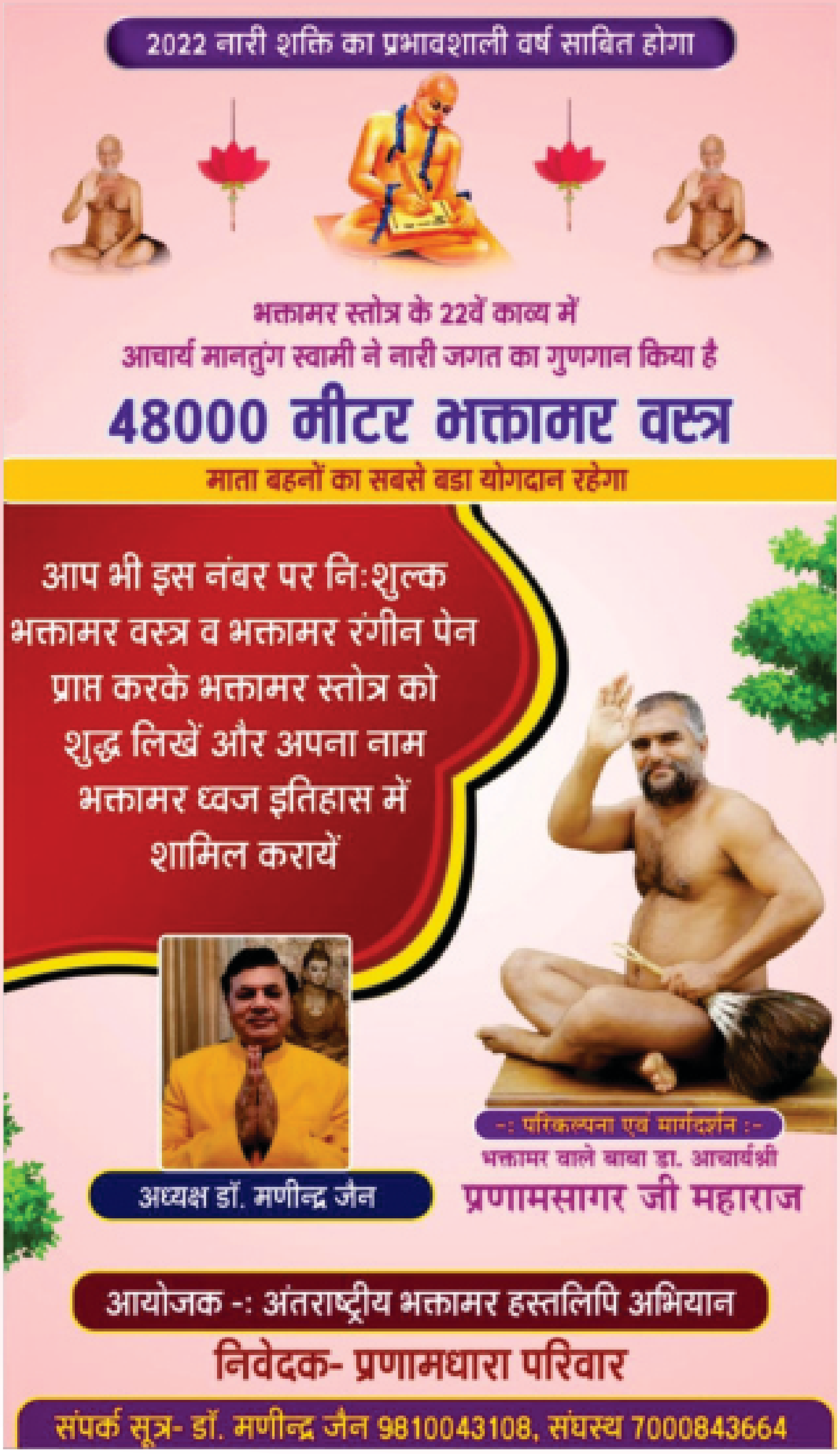

2022 नारी शक्ति का प्रभावशाली वर्ष साबित होगा
भक्तामर स्तोत्र के 22वें काव्य में
आचार्य मानतुंग स्वामी ने नारी जगत का गुणगान किया है
48000 मीटर भक्तामर वस्त्र
माता बहनों का सबसे बडा योगदान रहेगा
आप भी इस नंबर पर नि:शुल्क
भक्तामर वस्त्र व भक्तामर रंगीन पेन
प्राप्त करके भक्तामर स्तोत्र को
शुद्ध लिखें और अपना नाम
भक्तामर ध्वज इतिहास में
शामिल करायें
अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन
-: परिकल्पना एवं मार्गदर्शन :-
भक्तामर वाले बाबा डा. आचार्यश्री
प्रणामसागर जी महाराज
आयोजक -: अंतराष्ट्रीय भक्तामर हस्तलिपि अभियान
निवेदक- प्रणामधारा परिवार
संपर्क सूत्र- डॉ. मणीन्द्र जैन 9810043108, संघस्थ 7000843664

पंजीकरण संख्या : S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL(E)-20/5535/2018-20

श्री दिगंबर जैन महासमिति महाराष्ट्र प्रदेश के द्वारा आयोजित दो दिवसीय अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ अधिवेशन की सफलता के लिए वहां के कर्मठ जुझारू श्री अभय पनवेलकर साहब, सुनील जी पेंडारी, डॉ रिचा जैन और वहां के अलग-अलग जगह के अध्यक्ष पदाधिकारी सभी को बहुत-बहुत साधुवाद और सभी प्रदेश के पदाधिकारियों से निवेदन है कि इस प्रकार के आयोजन कर श्री दिगम्बर जैन महासमिति के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं और आपसी सौहार्द बढ़ाएं पुनः सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद

-शीला जैन डोडिया
राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला महासमिति

If undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mob. :- 9810043108, 8826578600